

7. 7,1,3. 3. 4. 4. CAT. BR. 10,4,4,3. कला 4. एक° P. 5,2,57, Schol.  
सकृन्तप (wie oben) n. ein Tausend: ईत्ताण° Çiç. 9,80.

सकृन्त 1) adj. tausend (Kühe) schenkend M. 3,186. R. 1,5,21 (20 GORR.). R. GORR. 2,109,48. ऋ° 1,6,13 (15 SCHL.). Vgl. सकृन्त। — 2) m. N. pr. eines Sohnes des Jadu (vgl. सकृन्तित्) HARIV. 1843.

सकृन्तदंष्ट्र 1) adj. tausendzählig. — 2) m. eine Art Wels (s. पाठान) AK. 1,2,3,18. H. 1345. HALĀ. 3,36. SUÇR. 1,206,7.

सकृन्तदंष्ट्रिन् m. = सकृन्तदंष्ट्र 2) ÇABDAR. im ÇKDR.

सकृन्तदत्तिण adj. wobei tausend (Kühe) als Opferlohn geschenkt werden RV. 10,33,5. AV. 20,127,12. LĪTJ. 3,3,2. 8,11,15. 12,15,3. KĪTJ. ÇR. 13,4,5. 9. 16. 15,1,5. 22,2,6. 23,1,6. ÇĀṆKH. ÇR. 8,11,15. 13,4,7. PĀR. GRHJ. 1,9,2. Ind. St. 5,371. tausend (Rinder) schenkend 13,336.

सकृन्तदल adj. tausend (Blüthen-) Blätter habend: °पय PĀṆĀT. 1,3,71. 2,8,19. 27.

सकृन्तदो adj. tausend gebend VS. 13,40. SV. 1,6,1,4,9. °तम RV. 6,45,33. — Vgl. सकृन्त.

सकृन्तदातु und °दान s. u. दातु und दान.

सकृन्तदावन् adj. tausend schenkend RV. 1,17,5.

सकृन्तदम्पू adj. tausendfüßig: Vishṇu R. 6,102,22. m. ein N. Indra's MBH. 3,670. 14,2444. WEBER, RĀMAT. UP. 302.

सकृन्तदोस् adj. tausendarmig, m. ein N. des Kārtavīrja Arguna ĠATĀDH. im ÇKDR.

सकृन्तद्वार adj. tausendthorig RV. 7,88,5.

सकृन्तधौ (von सकृन्त) adv. tausendfach, in tausend Theile (theilen, spalten u. s. w.) RV. 10,114,8. AV. 10,7,9. CAT. BR. 7,2,4,27. 14,6,11,4. 7,4,20. KAUSH. UP. 4,19. NRS. TĀP. UP. in Ind. St. 9,160. MBH. 13,7500. R. 2,61,9. R. GORR. 1,45,18. 2,62,21. 4,19,15. 6,95,40. RAGH. 6,5. BHĀG. P. 6,10,25. 8,11,31. M. MBH. 3,11961. कार KIR. 5,17. पा PĀṆĀT. 190,10. fg. tausendweise (vgl. सकृन्तशस्: संदर्शनात् SĀH. D. 276,17. संभवात् 299,14. क्यारोका: स°। अन्धवावन् KATHĀS. 18,93. किं पुनर्मोहमासक्तस्तत्र तत्र स° MBH. 5,2072. — Vgl. शत°.

सकृन्तधामन् s. u. धामन्.

1. सकृन्तधार 1) adj. s. u. 1. धारा(1). — 2) f. आ ein aus tausend Oeffnungen eines Gefäßes hervordringender Wasserstrahl: °धारया देवीं स्नापयामि सुरेश्वरीम् DURGOTSAVAPADDHATI im ÇKDR.

2. सकृन्तधार adj. tausend Schneiden habend, m. Vishṇu's Diskus (Rad) ÇABDĀRTHAK. bei WILSON.

सकृन्तधी adj. tausendfachen Verstand habend, als N. pr. eines Fisches Spr. (II) 6361. — Vgl. सकृन्तबुद्धि.

सकृन्तनयन adj. tausendäugig, m. ein N. Indra's HALĀ. 1,52. MBH. 13,799. 2137. R. 7,72,8. KATHĀS. 101,227. BUDDHĀKĀRITAK. 3.

1. सकृन्तनामन् n. am Anf. eines comp. die tausend Namen (eines Gottes, insbes. Vishṇu's): °नामोपदेश Verz. d. Oxf. H. 17, a, No. 61. 38, b, 5. 89, b, 35. °नामपठन Verz. d. B. H. 340, 11. °नामविवरण No. 421.

2. सकृन्तनामन् adj. (f. °स्त्री) tausendnamig AV. 8,7,8. Vishṇu PĀṆĀT. 4,3,48. °नामः स्तवनम् Verz. d. B. H. No. 421. स्तोत्रं tausend Namen enthaltend Verz. d. Oxf. H. 90, a, 5. WEBER, KRISHNĀG. 301.

सकृन्तनिर्णिञ्ज s. u. निर्णिञ्ज.

सकृन्तनेत्र adj. tausendäugig: Indra MBH. 1,7706. Vishṇu BHĀG. P. nach ÇKDR. m. ein N. Indra's H. 172. MBH. 13,6045. RAGH. 6,23.

सकृन्तनेत्राननपाद्बाहु adj. tausend Augen, Gesichter, Füße und Arme habend: Vishṇu Verz. d. B. H. No. 421.

सकृन्तपति m. das Haupt von tausend (Dörfern) M. 7,115. 117. MBH. 12,3268.

सकृन्तपत्र 1) m. N. pr. eines Berges ÇĀTRA. 1,354. — 2) Lotusblüthe (tausend Blütenblätter habend) AK. 1,2,3,39. H. 1161. HALĀ. 3,57. MBH. 3,11529. HARIV. 3970. RAGH. 7,11.

सकृन्तपद्, °पाद् 1) adj. tausendfüßig RV. 8,58,16. Puruṣa 10,90, 1 (ÇVETĀCV. UP. 3,14). ÇĀṆKH. BR. 6,1. SHADY. BR. 4,1. AV. 7,41,2. Brahman BHĀG. P. 3,22,3. Çiva Çiv. — 2) m. N. pr. eines Rshi MBH. 1,923. 3,985.

सकृन्तपर्णा 1) adj. (f. ङी) a) tausendfach befiedert: ein Pfeil RV. 8,66, 7. — b) tausendblättrig AV. 8,7,13. — 2) f. ङी vielleicht eine best. Pflanze AV. 6,139,1.

सकृन्तपाजस् und °पाथस् s. u. पाजस् und पाथस्.

सकृन्तपाद m. 1) = कार्पाड H. an. 5,22. = कार्पाड (कार्पाड und zwar °पतिन् ÇKDR.) MED. d. 56; vgl. कार्पाडव. — 2) die Sonne. — 3) = य-सपुरुष (ein N. Vishṇu's), °पूरुष H. an. MED.

सकृन्तपुत्र und °पृष्ठ s. u. पुत्र und पृष्ठ.

1. सकृन्तपोष m. s. u. पोष. °काम LĪTJ. 9,8,1. 3.

2. सकृन्तपोष adj. tausendfach gedeihend: भुवन ÇĀṆKH. GRHJ. 3,10 (सा-कृन् GORR. 3,6,6).

सकृन्तपोषिन् adj. dass. RV. 8,92,4.

सकृन्तपोष्य n. tausendfaches Gedeihen: कदा स्तोत्रे सकृन्तपोष्यं दा: RV. 6,35,1.

सकृन्तप्रधन s. u. प्रधन (die dortige Verweisung ist zu streichen; kommt nur dieses eine Mal vor).

सकृन्तप्राण adj. tausend Leben habend AV. 19,46,6.

सकृन्तवल m. N. pr. eines Fürsten VP. 386, N. 19.

सकृन्तवाक्वीय adj. von °बाहु. इन्द्रस्य °वीयम् N. eines Sāman Ind. St. 3,209, a.

सकृन्तबाहु 1) adj. tausendarmig BHĀG. P. 4,5,3. 8,7,12. 10,62,4. Çiva Çiv. — 2) m. a) Bein. Arguṇa's R. 7,33,23. — b) N. pr. eines Wesens im Gefolge Skanda's MBH. 9,2561. — 3) m. oder f. N. pr.: ऋषिबत्कुडुवः सुतमिन्द्रः सकृन्तबाह्वे RV. 8,45,26.

सकृन्तबुद्धि adj. tausendfachen Verstand habend, als N. pr. eines Fisches PĀṆĀT. 246,11. — Vgl. सकृन्तधी.

सकृन्तभक्त n. Bez. eines best. Festes, an dem Tausende gespeist wurden, RĀGA-TAR. 4,243.

सकृन्तभर adj. tausend Kämpfe bestehend RV. 6,20,1.

सकृन्तभर्गस् s. u. भर्गस्.

सकृन्तभागवती f. N. einer Gottheit Ind. St. 3,243, a.

सकृन्तभाव m. das Tausend-Werden ĀCV. ÇR. 12,6,32.

सकृन्तभुज adj. (f. आ) tausendarmig DEVIM. im ÇKDR. लोकेश्वर BHĀ-  
RANISĀNGRAHA 51.

सकृन्तभृष्टि s. u. भृष्टि.